Answer

1. सही विकल्प का चयन कर लिखिए-

i. कौन-सा माह सबसे तेज बौछारों का होता है ?

(क) सावन

(ख) जयेष्ठ

(ग) आषाढ़

(घ) भादों

ii. जहाँ शब्द से काव्य की शोभा बढ़ती है, वहाँ कौन-सा अलंकार होता है ?

(क) उभयालंकार

(ख) अर्थालंकार

(ग) शब्दालंकार

(घ) शोभालंकार

iii. किसकी गर्मी बाज़ार से अधिक सामान खरीदने पर विवश करती है ?

(क) मौसम की

(ख) दिमाग की

(ग) शरीर की

(घ) पैसों की

iv. ऐसे वाक्य जिनमें प्रार्थना, इच्छा या आशीष प्रकट होता है, क्या कहलाते हैं?

क) प्रश्नवाचक

(स) आज्ञावाचक

(ख) इच्छावाचक

(घ) संदेहवाचक

v. मराठी भाषा में लिखी 'जूझ' कहानी का हिन्दी अनुवाद किसने किया है ?

(क) मनोहर श्याम जोशी ने

(ख) ओम थानवी ने

(ग) केशव प्रथम वीर ने

(घ) ऐन फ्रैंक ने

vi. ज्ञानेन्दियों की संख्या कितनी होती है?

(क) लीन

(ख) चार

(ग) पाँच

(घ) छः

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कर लिखिए

i. आपको _____ होकर कैसा लगता है ?(**भिखारी** । अपाहिज / (नायक)

ii. जिन छंदों में मात्राओं की गणना की जाती है वे _____ छंद कहलाते हैं। (वर्णिक / **मात्रिक** / अलंकार)

iii. शिरीष पुष्प केवल _____ का कोमल दवाब सहन कर सकता है। (**भौंरों के पदों**/ तोते के पदों/चिड़िया के पदों)

iv. 'दाल न गलना' मुहावरे का अर्थ _____ -है । (**सफल न होना** / विफल न होना / काम होना)

v. सौंदलगेकर मास्टर _____ पढ़ाते थे। (हिन्दी /**मराठी** / अंग्रेजी)

vi. दृश्य का _____ से गहरा सम्बन्ध होता है। (**स्मृतियों**/मुहावरा / लोकोक्ति)

3. निम्नलिखित कथनों के समक्ष सत्य या असत्य लिखिए

i. दुःख रूपी रावण धनिकों को दबोचता है। **(असत्य)**

ii. माधुर्य गुण का सम्बन्ध चित्त की उत्तेजना वृत्ति से है। **(सत्य)**

iii. शेर के बच्चे का असल नाम बादल सिंह पहलवान था। **(असत्य)**

iv. वे शब्द जो वाक्य में किसी शब्द के बाद बल देने के लिए लगाए जाते हैं वे निपात शब्द कहलाते हैं। **(सत्य)**

v. सौंदलगेकर मास्टर कविता बहुत ही अच्छे ढंग से पढ़ाते थे। **(सत्य)**

vi. कहानी का नाट्य रूपान्तरण असंभव है। **(असत्य)**

4. सही जोड़ी का मिलान कर लिखिए

स्तम्भ (अ)	**स्तम्भ (ब)**

i. फिराख गोरखपुरी का वास्तविक नाम	(क) लछमिन
ii. भयानक रस	(ख) सम्पर्क भाषा
iii. भक्तिन	(ग) छात्र
iv. राष्ट्रभाषा	(घ) कथानक
v. वसंत पाटिल	(ड.) रघुवीर सहाय
vi. कहानी का केन्द्रीय बिन्दु	(च) सीमित पात्र
vii. रीतिकालीन कवि	(छ) बिहारी
	(ज) कबीर
	(झ) रघुपति सहाय

Ans:

स्तम्भ (अ)	**स्तम्भ (ब)**
i. फिराख गोरखपुरी का वास्तविक नाम	(ख) रघुपति सहाय (छ) बिहारी
ii. भयानक रस	(झ) कबीर
iii. भक्तिन	(क) लछमिन
iv. राष्ट्रभाषा	(ग) सम्पर्क भाषा
v. वसंत पाटिल	(ड.) रघुवीर सहाय
vi. कहानी का केन्द्रीय बिन्दु	(घ) कथानक
vii. रीतिकालीन कवि	(छ) बिहारी

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए

i. रीतिकाल का एक अन्य नाम लिखिए।

Ans: रीतिकाल का एक अन्य नाम अलंकृत काल है।

ii. कवि ने नीले जल में झिलमिलाती देह की तुलना किससे की है?

Ans: कवि ने नीले जल में झिलमिलाती देह की तुलना मणि से की है।

iii. शब्द शक्ति किसे कहते हैं?

Ans: शब्द शक्ति से तात्पर्य शब्दों के द्वारा अभिव्यक्त होने वाली विभिन्न प्रकार की शक्तियों से है।

iv. ऋषि-मुनियों ने किसको सबसे ऊंचा स्थान दिया है।

Ans: ऋषि-मुनियों ने सत्य को सबसे ऊंचा स्थान दिया है।

v. शब्द युग्म कितने प्रकार के होते हैं?

Ans: शब्द युग्म दो प्रकार के होते हैं: समानार्थी और विलोमार्थी।

vi. हर रविवार को किशनदा यशोधर बाबू के घर कितने बजे आया करते थे?

Ans: हर रविवार को किशनदा यशोधर बाबू के घर दोपहर के दो बजे आया करते थे।

vii. आमतौर पर नाटक की अवधि कितनी होनी चाहिए?

Ans: आमतौर पर नाटक की अवधि तीन घंटे से लेकर चार घंटे तक की होती है।

6. बादलों को विप्लव के बादल क्यों कहा गया है?

Ans: कविता में बादलों को विप्लव के बादल इसलिए कहा गया है क्योंकि बादल प्रकृति में परिवर्तन का प्रतीक हैं। जब बादल आते हैं तो वे आसमान में गरजते हैं, बिजली चमकती है और बारिश होती है। यह सब परिवर्तन का संकेत है। कवि बादलों को क्रांति का प्रतीक मानते हैं। वे मानते हैं कि क्रांति से समाज में परिवर्तन आता है। शोषित वर्ग को अपने शोषण से मुक्ति मिलती है। इसलिए, उन्होंने बादलों को विप्लव के बादल कहा है।

अथवा

'कविता के बहाने' पाठ के आधार पर कविता की दो विशेषताएँ लिखिए।

Ans: विशेषताएँ:

1. भावपक्ष की प्रधानता: इस कविता में भावपक्ष की प्रधानता है। कवि ने बादलों के माध्यम से अपने मनोभावों को व्यक्त किया है। उन्होंने बादलों को क्रांति का प्रतीक मानकर शोषित वर्ग की मुक्ति की कामना की है।

2. प्रकृति के चित्रण की कुशलता: कवि ने बादलों के माध्यम से प्रकृति का सुंदर चित्रण किया है। उन्होंने बादलों की गति, आकार, रंग और स्वर का सजीव चित्रण किया है।

अन्य विशेषताएँ:

- कविता में बिंबों का प्रयोग किया गया है। जैसे, "घनघोर गर्जन", "आकाश के कोमल कंठ", "धरती के गर्भ में सोए हुए अंकुर" आदि।
- कविता में भाषा सरल और सुबोध है।
- कविता में भावनाओं की अभिव्यक्ति में सफलता प्राप्त की गई है।

7. नई कविता की कोई दो प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए।

Ans: प्रगतिवाद: प्रगतिवादी कविता का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त अन्याय, शोषण, और अंधविश्वास के विरुद्ध आवाज उठाना है। इस प्रवृत्ति के कवियों ने अपनी कविताओं में सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक समस्याओं को प्रमुखता से उठाया है। प्रगतिवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ हैं:

- सामाजिक चेतना
- यथार्थवादी दृष्टिकोण
- जनभाषा का प्रयोग

छायावाद: छायावादी कविता का मुख्य उद्देश्य मनुष्य की आंतरिक भावनाओं, विचारों, और अनुभूतियों को अभिव्यक्त करना है। इस प्रवृत्ति के कवियों ने अपनी कविताओं में प्रकृति, प्रेम, विरह, और मृत्यु जैसे विषयों को प्रमुखता से उठाया है।
छायावादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ हैं:

- आध्यात्मिक चेतना
- प्रतीकात्मकता
- आलंकारिकता

अथवा

प्रगतिवाद के दो कवियों एवं उनकी एक-एक रचना का नाम लिखिए।

Ans:

- कवि: सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
- रचना: "अनामिका"
- कवि: महादेवी वर्मा
- रचना: "यामा"

इन कवियों की रचनाओं में प्रगतिवादी कविता के सभी तत्वों का समुचित समावेश मिलता है।

8. खंडकाव्य की दो विशेषताएँ लिखिए।

Ans:

- खंडकाव्य में एक ही प्रमुख घटना का नियोजन होता है। इसमें प्रासंगिक कथाओं का समावेश नहीं होता है।
- खंडकाव्य में पात्रों की संख्या सीमित रहती है। केन्द्रबिन्दु किसी एक घटना या पात्र विशेष को लेने के कारण ऐसा होता है।

अथवा

दो महाकाव्य और उनके रचनाकारों के नाम लिखिए।

Ans:

- महाभारत - वेदव्यास
- रामायण - वाल्मीकि

9. संदेह अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

Ans: संदेह अलंकार में किसी एक ही शब्द या वाक्य का दो या दो से अधिक अर्थों में प्रयोग किया जाता है। इस अलंकार में अर्थ की अनिश्चितता या संशय उत्पन्न होता है।

परिभाषा

"एक पद में अनेक अर्थों का संशय उत्पन्न होना संदेह अलंकार है।"

उदाहरण

- "नयन बाँधत नयन, मन बाँधत मन, कौन बाँधत बाँधत, ये मैं जाने न।"

(यहाँ "बाँधत" शब्द का दो अर्थ हो सकता है: बाँध रहा है या बाँधा जा रहा है।)

- "आँसू नीर नयनों से बहते, या नयनों से नीर बहते हैं।"

(यहाँ "आँसू" शब्द का दो अर्थ हो सकता है: आँसू के रूप में जल या आँसू भरी आँखें।)

अथवा

सोरठा छंद में कितनी मात्राएँ होती हैं ? उदाहरण सहित लिखिए।

Ans: सोरठा छंद में कुल 42 मात्राएँ होती हैं। इस छंद में चार चरण होते हैं, जिनमें प्रथम और तृतीय चरण में 11-11 मात्राएँ होती हैं, तथा द्वितीय और चतुर्थ चरण में 13-13 मात्राएँ होती हैं।

उदाहरण

- "सोरठा छंद है प्रसिद्ध छंद, इसमें दो पद होते हैं।"

(प्रथम चरण)

- "प्रथम पद में 11 मात्राएँ होती हैं, तृतीय पद में भी 11 मात्राएँ होती हैं।"

(द्वितीय चरण)

- "द्वितीय पद में 13 मात्राएँ होती हैं, चतुर्थ पद में भी 13 मात्राएँ होती हैं।"

(तृतीय चरण)

- "सोरठा छंद का प्रयोग प्रेम, भक्ति, श्रृंगार आदि विषयों पर होता है।"

(चतुर्थ चरण)

निष्कर्ष

संदेह अलंकार एक ऐसा अलंकार है जो अर्थ की अनिश्चितता या संशय उत्पन्न करता है। सोरठा छंद एक प्रसिद्ध छंद है जिसमें दो पद होते हैं और प्रत्येक पद में 11-11 या 13-13 मात्राएँ होती हैं।

10. कहानी और उपन्यास में कोई दो अंतर लिखिए।

Ans: कहानी और उपन्यास में अंतर

- कथा का विस्तार: कहानी का कथा विस्तार सीमित होता है, जबकि उपन्यास का कथा विस्तार व्यापक होता है। कहानी में एक ही घटना या घटनाक्रम का वर्णन होता है, जबकि उपन्यास में कई घटनाओं और पात्रों का वर्णन होता है।
- पात्रों की संख्या: कहानी में पात्रों की संख्या कम होती है, जबकि उपन्यास में पात्रों की संख्या अधिक होती है। कहानी में मुख्य रूप से दो या तीन पात्र होते हैं, जबकि उपन्यास में कई पात्र होते हैं।

अथवा

रेखाचित्र और संस्मरण में कोई दो अंतर लिखिए।

Ans: रेखाचित्र और संस्मरण में अंतर

- **प्रकृति:** रेखाचित्र एक ऐसी रचना है, जिसमें किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान का संक्षिप्त और सजीव चित्रण किया जाता है। संस्मरण एक ऐसी रचना है, जिसमें किसी व्यक्ति के द्वारा स्वयं के जीवन की किसी घटना या घटनाक्रम का वर्णन किया जाता है।
- **विषय:** रेखाचित्र का विषय किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान का चित्रण होता है, जबकि संस्मरण का विषय किसी व्यक्ति के जीवन की किसी घटना या घटनाक्रम का वर्णन होता है।
- **दृष्टिकोण:** रेखाचित्र में लेखक का दृष्टिकोण वस्तुनिष्ठ होता है, जबकि संस्मरण में लेखक का दृष्टिकोण व्यक्तिपरक होता है।

11. लट्टन पहलवान की मेलों में क्या वेशभूषा रहती थी?

Ans: लट्टन पहलवान की मेलों में वेशभूषा बहुत ही भव्य और आकर्षक होती थी। वह हमेशा एक नई और साफ-सुथरी धोती पहनता था। उसके सिर पर एक बड़ा सा पगड़ी होता था, जो उसके बालों को हवा से बचाता था। उसके गले में एक मोटा-सा सोने का हार होता था, जो उसके गौरव का प्रतीक होता था। उसके हाथों में एक जोड़ी मोटे-मोटे सोने के कड़े होते थे, जो उसकी ताकत का प्रतीक होते थे। उसके पैरों में एक जोड़ी चमड़े के जूते होते थे, जो उसे कुश्ती लड़ने में मदद करते थे।

अथवा

'मगरी फूटी बेल पियासा' का आशय लिखिए।

Ans: 'मगरी फूटी बेल पियासा' एक लोकोक्ति है। इसका अर्थ है कि जो व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास करता है, वह अंततः सफल होता है। इस लोकोक्ति में मगरी को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में लिया गया है, जो पानी पीने के लिए बहुत प्यासा है। वह अपने प्यास को बुझाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। इसी तरह, एक व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किसी भी कठिनाई का सामना करने के लिए तैयार रहता है।

इस लोकोक्ति का एक उदाहरण महात्मा गांधी है। उन्होंने भारत की आजादी के लिए संघर्ष किया और अंततः सफल हुए। वे एक मगरी की तरह थे, जो अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास करते रहे।

इस लोकोक्ति से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और लगन से प्रयास करना चाहिए। हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए।

12. तकनीकी शब्द किसे कहते हैं? उदहारण सहित लिखिए।

Ans: तकनीकी शब्द किसी विशेष विषय या क्षेत्र से संबंधित शब्द होते हैं। ये शब्द उस विषय या क्षेत्र की विशिष्ट अवधारणाओं या विचारों को व्यक्त करते हैं। तकनीकी शब्द आमतौर पर संस्कृत, अंग्रेजी, या अन्य विदेशी भाषाओं से लिए जाते हैं।

उदाहरण:

- विज्ञान: इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन, न्यूट्रॉन, अणु, परमाणु, आदि।
- गणित: समीकरण, फलन, अवकल समीकरण, त्रिकोणमिति, आदि।
- इंजीनियरिंग: संरचना, यांत्रिकी, विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, आदि।
- चिकित्सा: रोग, लक्षण, उपचार, दवा, आदि।
- कंप्यूटर: प्रोग्रामिंग, हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, आदि।

अथवा

संयुक्त वाक्य किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

Ans: संयुक्त वाक्य दो या दो से अधिक सरल वाक्यों के मेल से बनता है। ये वाक्य एक ही उद्देश्य या अर्थ को व्यक्त करते हैं। संयुक्त वाक्य को बनाने के लिए निम्नलिखित संयोजक शब्दों का प्रयोग किया जाता है:

- और
- परंतु
- अथवा
- क्योंकि
- यदि
- जब
- तब
- और भी

उदाहरण:

- वह पढ़ता है और लिखता है। (और संयोजक)
- वह अमीर है परंतु सुखी नहीं है। (परंतु संयोजक)
- वह क्रिकेट खेलता है या फुटबॉल। (अथवा संयोजक)
- वह इसलिए आया क्योंकि उसे बुलाया गया था। (क्योंकि संयोजक)
- यदि तुम पढ़ोगे तो सफल हो जाओगे। (यदि संयोजक)
- जब वह आया तब हम सो रहे थे। (जब संयोजक)
- तब वह बोला जब हम सुन रहे थे। (तब संयोजक)
- वह और भी अधिक मेहनत करेगा। (और भी संयोजक)

संयुक्त वाक्यों को निम्नलिखित प्रकारों में बांटा जा सकता है:

- समानाधिकरण संयुक्त वाक्य: इसमें सभी वाक्यों का समान महत्व होता है।
- आश्रित संयुक्त वाक्य: इसमें एक वाक्य प्रधान होता है और दूसरा वाक्य उस पर आश्रित होता है।
- मिश्रित संयुक्त वाक्य: इसमें समानाधिकरण और आश्रित दोनों प्रकार के वाक्य होते हैं।

13. निम्नलिखित वाक्यों से निपात छाँटकर उनसे दो नये वाक्य बनाइए-

i. यानी चश्मा तो था लेकिन संगमरमर का नहीं था।

ii. किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा।

Ans: (i) नया वाक्य: चश्मा था, लेकिन वह संगमरमर का नहीं था।

(ii) नया वाक्य: स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा।

अथवा

लोकोक्ति किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

Ans: लोकोक्ति एक ऐसा वाक्यांश है जो किसी खास अनुभव, विश्वास, या कथा पर आधारित होता है। यह वाक्यांश आमतौर पर लोगों के बीच मौखिक रूप से प्रचलित होता है और इसका प्रयोग किसी बात की पुष्टि या विरोध, सीख या भविष्य कथन आदि के लिए किया जाता है।

लोकोक्तियों के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं:

- "अति सर्वत्र वर्जयेत्" - किसी भी चीज़ की अधिकता बुरी होती है।
- "सात समंदर पार की बात" - बहुत दूर की बात।
- "उड़ता उल्लू भी कभी ना सोता" - आलसी व्यक्ति को भी कभी ना कभी कुछ करना पड़ता है।
- "असम्भव को सम्भव कर दिखाया" - बहुत मेहनत और लगन से कोई भी असम्भव काम संभव हो सकता है।
- "जैसे को तैसा" - जैसा व्यवहार किसी से किया जाता है, वैसा ही व्यवहार वह दूसरों से करता है।

लोकोक्तियाँ भाषा की संस्कृति को परिभाषित करती हैं। ये वाक्यांश लोगों के बीच एक-दूसरे को समझने में मदद करते हैं। लोकोक्तियों का प्रयोग साहित्य, लोकगीत, और अन्य रचनात्मक कार्यों में भी किया जाता है।

लोकोक्तियों को मुहावरों से अलग किया जा सकता है। मुहावरे भी एक-दूसरे से जुड़े हुए वाक्यांश होते हैं, लेकिन इनका अर्थ शब्दों के शाब्दिक अर्थ से अलग होता है। उदाहरण के लिए, "नाचने-गाने का मूड" मुहावरे का अर्थ है, खुशी या उत्साह का माहौल। जबकि, "नाचने-गाने का मूड" लोकोक्ति का अर्थ है, किसी काम को करने की इच्छा नहीं होना।

14. 'अतीत में दबे पांव' शीर्षक की सार्थकता के बारे में लिखिए।

Ans: 'अतीत में दबे पाँव' शीर्षक पाठ में लेखक के वे अनुभव हैं जो उसे सिंधु घाटी की सभ्यता के अवशेषों को देखते समय हुए थे। उस सभ्यता के अतीत में झाँककर वहाँ के निवासियों और उनके जीवन को देखकर लेखक को लगता है कि जैसे वे लोग अभी भी वहाँ मौजूद हैं। उन लोगों की सभ्यता की सुव्यवस्था और उन्नतता को देखकर लेखक को लगता है कि वे लोग प्रगति के पथ पर निरंतर बढ़ रहे थे। परन्तु दुर्भाग्यवश ये प्रगति की ओर बढ़ रहे सुनियोजित पाँव अतीत में ही दबकर रह गए।

इस प्रकार, शीर्षक "अतीत में दबे पाँव" का अर्थ है कि सिंधु घाटी की सभ्यता एक समृद्ध और उन्नत सभ्यता थी, जो किसी कारणवश नष्ट हो गई। इस शीर्षक के माध्यम से लेखक ने सिंधु घाटी की सभ्यता के अतीत को याद दिलाया है और यह भी बताया है कि अतीत से हमें सीखना चाहिए।

इस शीर्षक की सार्थकता को निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर स्पष्ट किया जा सकता है:

- यह शीर्षक पाठ के मुख्य विषय को स्पष्ट करता है।
- यह शीर्षक पाठ के भाव को व्यक्त करता है।

- यह शीर्षक पाठ की रोचकता और प्रभाव को बढ़ाता है।

अथवा

'जूझ' कहानी के आधार पर आपको कौन-कौन से जीवन मूल्य ग्रहण करने की प्रेरणा मिलती है ? लिखिए।

Ans: 'जूझ' कहानी के आधार पर हमें निम्नलिखित जीवन मूल्य ग्रहण करने की प्रेरणा मिलती है:

- **संघर्षशीलता:** कहानी के पात्र राजू और उसकी पत्नी रानी अत्यंत संघर्षशील हैं। वे अपने जीवन में आने वाली हर चुनौती का डटकर सामना करते हैं।
- **आशावाद:** कहानी के पात्र हमेशा आशावान रहते हैं। वे कभी भी हार नहीं मानते। वे जानते हैं कि संघर्ष के बाद ही सफलता मिलती है।
- **परिवार के प्रति प्रेम:** कहानी के पात्र अपने परिवार के प्रति अत्यंत प्रेम करते हैं। वे परिवार की भलाई के लिए हर संभव प्रयास करते हैं।
- **सच्चाई और ईमानदारी:** कहानी के पात्र सच्चाई और ईमानदारी के मार्ग पर चलते हैं। वे कभी भी धोखा नहीं देते।
- **सहानुभूति और करुणा:** कहानी के पात्र दूसरों के प्रति सहानुभूति और करुणा रखते हैं। वे दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।

इन जीवन मूल्यों को ग्रहण करने से हम अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं और दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, कहानी हमें यह भी सिखाती है कि:

- कठिन परिस्थितियों में भी हमें हार नहीं माननी चाहिए।
- हमें हमेशा अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहना चाहिए।
- हमें दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए।

इन मूल्यों को ग्रहण करके हम अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

15. विशेष लेखन की सूचनाओं के क्षेत्रों के बारे में लिखिए।

Ans: विशेष लेखन की सूचनाओं के क्षेत्र

विशेष लेखन किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हटकर किया गया लेखन होता है। इसमें किसी विशेष क्षेत्र या विषय पर गहराई से जानकारी दी जाती है। विशेष लेखन के क्षेत्र निम्नलिखित हैं:

- समाज: शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, सामाजिक मुद्दे, आदि।
- राजनीति: देश-विदेश की राजनीतिक घटनाएं, नीतियां, आदि।
- अर्थव्यवस्था: व्यापार, उद्योग, अर्थव्यवस्था की स्थिति, आदि।

- खेल: राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजन, खिलाड़ियों की उपलब्धियां, आदि।
- संस्कृति: कला, साहित्य, संगीत, सिनेमा, आदि।
- विज्ञान: नवीनतम वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीक, आदि।
- धर्म: धार्मिक आस्थाएं, विश्वास, त्योहार, आदि।

विशेष लेखन में इन क्षेत्रों के अलावा भी अन्य क्षेत्रों पर भी लेखन किया जा सकता है। विशेष लेखन का उद्देश्य पाठकों को किसी विशेष विषय पर व्यापक और गहन जानकारी प्रदान करना है।

अथवा

प्रिंट माध्यम की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

Ans: प्रिंट माध्यम की प्रमुख विशेषताएँ

प्रिंट माध्यम एक दृश्य माध्यम है, जिसमें सूचनाएं लिखित रूप में प्रस्तुत की जाती हैं। प्रिंट माध्यम की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

- स्थिरता: प्रिंट माध्यम की सूचनाएं स्थिर होती हैं। एक बार प्रिंट हो जाने के बाद उनमें कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।
- स्थायित्व: प्रिंट माध्यम की सूचनाएं लंबे समय तक सुरक्षित रह सकती हैं।
- पुनरुत्पादनशीलता: प्रिंट माध्यम की सूचनाओं को आसानी से पुनरुत्पादित किया जा सकता है।
- व्यापकता: प्रिंट माध्यम की पहुंच व्यापक होती है। इसे किसी भी स्थान पर पढ़ा जा सकता है।
- सस्ते दर पर उपलब्धता: प्रिंट माध्यम सस्ते दर पर उपलब्ध होता है।

प्रिंट माध्यम की इन विशेषताओं के कारण यह आज भी एक महत्वपूर्ण जनसंचार माध्यम है।

16. तुलसीदास अथवा सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला काव्यगत विशेषताएँ निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए-

i. दो रचनाएँ

ii. भावपक्ष

iii. कलापक्ष

17. जैनेन्द्र अथवा धर्मवीर भारती की साहित्यिक विशेषताएँ निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए-

i. दो रचनाएँ

ii. भाषा-शैली

iii. साहित्य में स्थान

Ans: जैनेन्द्र कुमार

i. दो रचनाएँ

- **उपन्यास:** आत्महत्या, उर्वशी, कर्मभूमि, सप्तपर्णी, कथा साहित्य, त्रिशंकु
- **कहानी संग्रह:** ज्योतिर्मय, मधुमय, रजत मूर्ति, निशाचर, शेष ज्योति

ii. भाषा-शैली

- सहज, सरल, निष्कपट
- शब्दों का प्रयोग अर्थपूर्ण और सटीक
- भावों का सूक्ष्म और मार्मिक चित्रण
- नए शब्दों का प्रयोग

iii. साहित्य में स्थान

- आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख उपन्यासकार और कहानीकार
- मानवीय मनोविज्ञान के सूक्ष्म विश्लेषण के लिए जाने जाते हैं
- उनकी रचनाओं में गांधीवादी विचारों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है

धर्मवीर भारती

i. दो रचनाएँ

- **उपन्यास:** गुनाहों का देवता, सूरज का सातवाँ घोड़ा, अंधा युग
- **कविता संग्रह:** ठंडा लोहा, नये पत्ते, सरोवर, नये गीत, बन्द पाठ

ii. भाषा-शैली

- परिमार्जित खड़ीबोली
- मुहावरों, लोकोक्तियों, देशज तथा विदेशी भाषाओं के शब्दों का प्रयोग
- भाषा का प्रयोग सरल और प्रभावशाली

iii. साहित्य में स्थान

- आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख कवि, नाटककार और उपन्यासकार
- उनकी रचनाओं में मानवीय मूल्यों और समाज की समस्याओं का मार्मिक चित्रण
- उनकी रचनाओं ने हिंदी साहित्य को समृद्ध किया है

18. निम्नलिखित कथन का सार संक्षेपण में लिखिए।

"जिस व्यक्ति को अपने देश की भाषा का ज्ञान नहीं है, अपने रीति-रिवाजों और परंपराओं का परिचय नहीं, अपने देश की कला के प्रति आदर नहीं है और जो अपनी धार्मिक, आध्यात्मिक, निधि से गौरवान्वित नहीं है, वह निश्चित तौर पर नर नहीं, नर पशु है"।

Ans: इस कथन में, लेखक का कहना है कि एक सच्चे मानव होने के लिए, व्यक्ति को अपने देश की भाषा, रीति-रिवाज, परंपराओं, कला और धार्मिक, आध्यात्मिक निधि से अवगत होना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए। इन सभी चीजों का ज्ञान और सम्मान व्यक्ति को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ता है, और उसे एक सच्चे मानव होने का अहसास देता है।

अथवा

कंप्यूटर शिक्षकों की आवश्यकता हेतु एक विज्ञापन बनाकर लिखिए।

19. निम्नलिखित अपठित गद्यांश अथवा काव्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

भारत की भौगोलिक संरचना के कारण यहां की जलवायु में विविधता देखने को मिलती है। भारत जो तीन ओर पूर्व पश्चिम व दक्षिण में क्रमशः बंगाल की खाड़ी, अरब सागर और हिंद महासागर से घिरा है वही उत्तर में हिमालय की बर्फीली पर्वत चोटियाँ मस्तक उठाए हैं फलस्वरुप कहीं अधिक ग्रीष्म तो कहीं अधिक शीत तो कहीं अधिक वर्षा ऋतु होती है। जलवायु की विविधता के कारण यहां के लोगों की जीवनशैली, भाषा भी प्रभावित होती है। प्रत्येक राज्य की अपनी अलग भाषा मराठी, गुजराती, तमिल, कन्नड़ आदि है। उनकी संस्कृति भिन्न है। प्रारंभ में विदेशी आक्रमणों के कारण यहाँ अनेक धर्म सनातन धर्म के अतिरिक्त इस्लाम, यहूदी, जैन पारसी, बौद्ध आदि हैं। इन विविधताओं के बावजूद भारत में राष्ट्रीय एकता प्रत्येक राज्य में दृष्टिगोचर होती है। भारत भूमि को माता की संज्ञा दी गई है। कहा भी गया है कि जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान है।

प्रश्न-

i. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

Ans: उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक "भारत की जलवायु विविधता और उसके परिणाम" हो सकता है। यह शीर्षक गद्यांश के मुख्य विषय को स्पष्ट रूप से प्रकट करता है।

ii. जलवायु विविधता का क्या परिणाम होता है?

Ans: जलवायु विविधता के कई परिणाम होते हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख निम्नलिखित हैं:

- वनस्पति और जीव-जंतुओं की विविधता: जलवायु विविधता के कारण भारत में विभिन्न प्रकार की वनस्पति और जीव-जंतु पाए जाते हैं। उदाहरण के लिए, हिमालय के क्षेत्रों में ठंडे प्रदेशों की वनस्पतियाँ और जीव-जंतु पाए जाते हैं, जबकि पश्चिमी घाट के क्षेत्रों में उष्णकटिबंधीय वनस्पतियाँ और जीव-जंतु पाए जाते हैं।
- मानव जीवन की विविधता: जलवायु विविधता के कारण भारत में विभिन्न प्रकार के मानव समुदाय पाए जाते हैं। इन समुदायों की जीवनशैली, भाषा, संस्कृति, और धर्म जलवायु के अनुसार भिन्न होते हैं। उदाहरण के लिए, पहाड़ी क्षेत्रों के लोग कृषि, पशुपालन, और वनस्पति संसाधनों पर निर्भर होते हैं, जबकि मैदानी क्षेत्रों के लोग कृषि, उद्योग, और व्यापार पर निर्भर होते हैं।

iii. सनातन का समानार्थी लिखिए।

Ans: सनातन का समानार्थी "अनादि, पुरातन, चिरंतन, शाश्वत, अक्षय, अमर, अविनाशी" आदि हैं।

अथवा

कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास,

कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उसके पास।

कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गस्त,

कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही सिकस्त।

प्रश्न-

i. कई दिनों से चक्की उदास क्यों थी।

Ans: चूंकि चक्की का उपयोग अनाज पीसने के लिए किया जाता है। जब घर में अनाज नहीं होता है, तो चक्की का उपयोग नहीं होता है। इसलिए, चक्की उदास थी।

ii. उक्त पंक्तियाँ कौन सी प्राकृतिक आपदा की ओर इशारा करती हैं?

Ans: उक्त पंक्तियाँ अकाल की ओर इशारा करती हैं। जब अकाल पड़ता है, तो फसलें सूख जाती हैं। इससे अनाज की कमी हो जाती है। परिणामस्वरूप, लोग भूखे मरने लगते हैं।

iii. उक्त पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

Ans: उक्त पंक्तियाँ अकाल के दुष्परिणामों को दर्शाती हैं। अकाल के कारण लोग भोजन से वंचित हो जाते हैं। इससे उनके जीवन में दुख और विपन्नता आ जाती है।

इन पंक्तियों में कवि ने चूल्हे, चक्की, कानी कुतिया, छिपकलियों और चूहों का उदाहरण देकर अकाल के प्रभाव को स्पष्ट किया है। चूल्हा भोजन पकाने का प्रतीक है। चक्की अनाज पीसने का प्रतीक है। कानी कुतिया भोजन के लिए तरसने का प्रतीक है। छिपकलियां और चूहे भी अन्न के लिए निर्भर हैं।

इन पंक्तियों से पता चलता है कि अकाल से सभी प्रभावित होते हैं। चाहे वह मनुष्य हो, जानवर हो या अन्य जीव हों। अकाल से सभी को कष्ट होता है।

अकाल के दुष्परिणामों से बचने के लिए हमें अन्न का संरक्षण करना चाहिए। हमें अन्न को व्यर्थ नहीं करना चाहिए। हमें अन्न को गरीबों और जरूरतमंदों में बांटना चाहिए।

20. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ-प्रसंग एवं विशेष सहित व्याख्या लिखिए-

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस खयाल से ढोलक बजाता हो, किंतु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि उपचार- पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े- बच्चे जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन-शक्तिशून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी।

Ans: संदर्भ

यह गद्यांश फणीश्वरनाथ रेणु द्वारा रचित कहानी "पहलवान की ढोलक" से लिया गया है। इस कहानी में एक गाँव का वर्णन किया गया है, जो मलेरिया और हैजा जैसी महामारी से पीड़ित है। गाँव के लोग बीमार पड़कर मर रहे हैं। इस भयावह स्थिति में, एक पहलवान लुट्टन गाँव में आता है और ढोलक बजाने लगता है।

प्रसंग

यह गद्यांश कहानी के आरंभ में आता है। इसमें लेखक रात्रि के समय गाँव की दशा का वर्णन कर रहा है। रात्रि में गाँव में सन्नाटा छाया होता है। लोग अपने घरों के अंदर बंद रहकर डरते हैं। इस सन्नाटे को सिर्फ पहलवान की ढोलक की आवाज ही तोड़ती है।

व्याख्या

गद्यांश के प्रथम वाक्य में लेखक कहता है कि रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहती थी। इससे स्पष्ट होता है कि रात्रि की विभीषिका अर्थात् महामारी के कारण गाँव में भय का साम्राज्य छाया हुआ था। लोग रात में बाहर निकलने से डरते थे। ऐसे में पहलवान की ढोलक की आवाज उनके लिए एक उम्मीद की किरण थी। यह आवाज उन्हें बताती थी कि अभी भी सब कुछ ठीक है।

गद्यांश के दूसरे वाक्य में लेखक कहता है कि पहलवान संध्या से सुबह तक ढोलक बजाता रहता था। वह ढोलक बजाने के लिए किसी विशेष कारण से नहीं करता था, लेकिन उसकी ढोलक की आवाज गाँव के लोगों के लिए संजीवनी थी। यह आवाज उनके अर्द्धमृत मन को जीवित करती थी।

गद्यांश के तीसरे और चौथे वाक्य में लेखक कहता है कि पहलवान की ढोलक की आवाज सुनकर गाँव के लोग अपने बिस्तरों से उठकर बैठ जाते थे। बूढ़े, बच्चे और जवान सभी की आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। उनकी शक्तिहीन स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी।

इस प्रकार, इस गद्यांश में लेखक ने पहलवान की ढोलक की महत्ता को रेखांकित किया है। वह बताता है कि कैसे पहलवान की ढोलक की आवाज ने गाँव के लोगों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। यह आवाज उन्हें महामारी से लड़ने की शक्ति प्रदान करती थी।

विशेष

इस गद्यांश में लेखक ने ढोलक की आवाज की विशेषता को भी उजागर किया है। वह बताता है कि यह आवाज कितनी शक्तिशाली है कि यह लोगों के अर्द्धमृत मन को जीवित कर सकती है। यह आवाज लोगों के अंदर नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करती है।

इस गद्यांश में लेखक ने महामारी के भय और पहलवान की ढोलक की शक्ति के बीच विरोधाभास को भी उकेरा है। एक ओर महामारी के कारण गाँव में भय का साम्राज्य छाया हुआ है, दूसरी ओर पहलवान की ढोलक की आवाज लोगों के अंदर भय को दूर कर रही है।

अथवा

जाड़े का दिन। अमावस्या की रात ठंडी और काली । मलेरिया और हैजे से पीड़ित गाँव भयार्त्त शिशु की तरह धर-थर काँप रहा था। पुरानी और उजड़ी बाँस-फूस की झोपड़ियों में अंधकार और सन्नाटे का सम्मिलित साम्राज्य अंधेरा और निस्तब्धता। अंधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी। निस्तब्धता करुण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी।

Ans: संदर्भ-प्रसंग

यह गद्यांश प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी "पहलवान की ढोलक" से लिया गया है। इस कहानी में प्रेमचंद ने एक ऐसे पहलवान की कहानी बताई है जो अपने गाँव की भलाई के लिए अपनी जान तक दे देता है।

व्याख्या

यह गद्यांश कहानी के आरंभ में आता है। इस गद्यांश में प्रेमचंद ने एक ठंडी और काली अमावस्या की रात का वर्णन किया है। इस रात में एक गाँव मलेरिया और हैजे की भयावह महामारी से पीड़ित है। गाँव की दशा बहुत ही दयनीय है। घरों में अंधकार और सन्नाटा छाया हुआ है। लोग बीमारी से त्रस्त हैं।

प्रेमचंद ने इस गद्यांश में प्रकृति के माध्यम से भी गाँव की दशा को व्यक्त किया है। अंधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही है। निस्तब्धता करुण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही है। इससे प्रतीत होता है कि प्रकृति भी गाँव की पीड़ा को समझ रही है।

विशेष

इस गद्यांश में प्रेमचंद ने अपनी भाषा-शैली का अद्भुत प्रयोग किया है। उन्होंने प्रकृति के माध्यम से गाँव की दशा को बहुत ही मार्मिक ढंग से व्यक्त किया है। इस गद्यांश में प्रेमचंद की सामाजिक चेतना भी झलकती है। उन्होंने मलेरिया और हैजे जैसी भयावह बीमारियों के कारण गाँव की दयनीय दशा को चित्रित किया है।

इस गद्यांश का निहितार्थ यह है कि हमें अपने आसपास की समस्याओं को समझना चाहिए और उनका समाधान करने का प्रयास करना चाहिए।

21. निम्नलिखित काव्यांश का संदर्भ प्रसंग सहित भावार्थ लिखिए-

बात सीधी थी पर एक बार

भाषा के चक्कर में

जरा टेढ़ी फैंस गई।

Ans: संदर्भ

यह काव्यांश आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवि कुँवर नारायण की कविता "भाषा के चक्कर में" से लिया गया है। यह कविता भाषा के महत्व और उसके दुरुपयोग पर एक व्यंग्यात्मक कविता है।

प्रसंग

कवि इस काव्यांश में कह रहे हैं कि कोई भी बात कितनी ही सीधी क्यों न हो, यदि वह भाषा के चक्कर में फंस जाए तो वह टेढ़ी हो जाती है। भाषा एक शक्तिशाली माध्यम है जिसका उपयोग हम अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने के लिए करते हैं। भाषा का सही उपयोग करने से हम अपने विचारों को स्पष्ट और सुगमता से व्यक्त कर सकते हैं। लेकिन यदि हम भाषा का गलत या अत्यधिक प्रयोग करते हैं तो वह हमारे विचारों को भ्रमित कर सकती है।

भावार्थ

इस काव्यांश में कवि भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए उसके दुरुपयोग पर भी चिंता व्यक्त करते हैं। कवि कहते हैं कि भाषा एक सरल और सहज माध्यम है। लेकिन यदि हम भाषा को अनावश्यक रूप से जटिल बना देते हैं तो वह हमारे लिए बोझ बन जाती है। भाषा का सही उपयोग करना सीखना आवश्यक है ताकि हम अपने विचारों को स्पष्ट और सुगमता से व्यक्त कर सकें।

इस काव्यांश में कवि भाषा के चक्कर में फंसने की स्थिति का एक दृष्टांत देते हैं। वह कहते हैं कि कोई बात कितनी ही सीधी क्यों न हो, यदि वह भाषा के चक्कर में फंस जाए तो वह टेढ़ी हो जाती है। इसका अर्थ यह है कि भाषा का अनावश्यक रूप से जटिल प्रयोग करने से हमारा संदेश भ्रमित हो सकता है।

यह काव्यांश हमें भाषा के महत्व और उसके दुरुपयोग के प्रति जागरूक करता है। यह हमें भाषा का सही उपयोग करने की सीख देता है।

अथवा

प्रात नभ था बहुत नीला शेख जैसे

भोर का नभ:

राख से लीपा हुआ चौका

अभी गीला पड़ा है।

Ans: संदर्भ

प्रस्तुत काव्यांश प्रख्यात हिंदी कवि शमशेर बहादुर सिंह की कविता "उषा" से उद्धृत है। यह कविता सूर्योदय के सुंदर दृश्य का वर्णन करती है।

प्रसंग

कवि एक दिन प्रातःकाल उठकर अपने घर की बालकनी में खड़े होकर प्रकृति का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने देखा कि प्रात का आकाश बहुत नीला है, जिसका रंग शंख के समान है। जैसे किसी ने राख से चौका पोता हो और अभी वह गीला पड़ा हो, वैसा ही नील जल में किसी की गौर, झिलमिल देह हिल रही है।

भावार्थ

प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने प्रात के समय के मनोरम दृश्य का बड़ा ही सुंदर वर्णन किया है। प्रात का आकाश बहुत नीला और साफ है, जिसका रंग शंख के समान है। यह नीला आकाश प्रकृति की निर्मलता और शुद्धता का प्रतीक है। जैसे किसी ने राख से चौका पोता हो और अभी वह गीला पड़ा हो, वैसा ही नील जल में किसी की गौर, झिलमिल देह हिल रही है। यह दृश्य अत्यंत मनमोहक है। यह दृश्य हमें प्रकृति की सुंदरता और सौंदर्य का अनुभव कराता है।

इस काव्यांश में कवि ने प्रात के समय के शांति और सौंदर्य का भी वर्णन किया है। प्रात का समय शांति का समय है। इस समय आसपास कोई शोर-शराबा नहीं होता। इस समय का वातावरण बहुत ही शांत और सुंदर होता है।

इस काव्यांश के माध्यम से कवि प्रकृति के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा और प्रेम व्यक्त करते हैं।

22. अपने नगर के नगर पालिका अध्यक्ष को जल की अनियमित आपूर्ति के संबंध में शिकायती पत्र लिखिए।

अथवा

अपने नाना जी को गाँव से वापस आने पर गाँव की अपनी मधुर स्मृतियों के बारे में एक पत्र लिखिए।

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर रूपरेखा सहित सारगर्भित निबंध लिखिए-

i. प्रदूषण कितना घातक ।

ii. स्वास्थ्य का महत्व

iii. साहित्य और समाज

iv. चाँद पर भारत के कदम

v. मेरी यादगार रेल यात्रा